



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

24 भाद्र 1943 (श10)  
(सं० पटना 789) पटना, बुधवार, 15 सितम्बर 2021

I 6E08@vjk&01&41@2015&9937@I KE6E  
सामान्य प्रशासन विभाग

संकल्प

3 सितम्बर 2021

श्री सुनील दत्त झा, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-739/2011, तत्कालीन अंचलाधिकारी-सह- प्रखंड विकास पदाधिकारी, टिकारी, गया के विरुद्ध राष्ट्रीय काम के बदले अनाज योजनान्तर्गत प्रारंभ किये गये विभिन्न 6 योजनाओं में अभिकर्ताओं को दिये गये अग्रिम के विरुद्ध कम काम पाये जाने, उन योजनाओं का संधारण बिना कार्य कराये पहला एवं दुसरा अग्रिम का भुगतान करने तथा योजनाओं के पर्यवेक्षण कार्य में लापरवाही बरतने संबंधी आरोपों के लिए ग्रामीण विकास विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-5044 दिनांक 09.04.2008 द्वारा अनुशासनिक कार्रवाई हेतु अनुशंसा प्राप्त हुआ।

ग्रामीण विकास विभाग से प्राप्त आरोप पत्र की प्रति संलग्न करते हुए विभागीय पत्रांक-10556 दिनांक-15.09.2011 द्वारा श्री झा से स्पष्टीकरण की माँग की गयी। उक्त के आलोक में श्री झा का स्पष्टीकरण प्राप्त हुआ। श्री झा से प्राप्त स्पष्टीकरण पर विभागीय पत्रांक-13558 दिनांक 05.10.2012 द्वारा ग्रामीण विकास विभाग, बिहार, पटना एवं पत्रांक-9442 दिनांक 05.07.2016 द्वारा जिला पदाधिकारी, गया से मंतव्य की माँग की गयी। स्मारोपरांत जिला पदाधिकारी, गया के पत्रांक-3391 दिनांक 10.06.2021 द्वारा मंतव्य प्राप्त हुआ, जिसमें श्री झा के स्पष्टीकरण को स्वीकार योग्य नहीं पाते हुए प्रतिवेदित किया गया कि आरोपी पदाधिकारी के स्वीकारोक्ति बयान से स्पष्ट है कि उनके द्वारा निरीक्षण प्रतिवेदन में उल्लेखित योजनाओं में बिना स्थल जांच किये एवं बिना मापी पुस्त एवं मास्टर रोल प्राप्त किये द्वितीय अग्रिम का भुगतान किया गया है। उनका यह कृत्य योजना में अग्रिम भुगतान हेतु स्थापित नियम के अनुरूप नहीं है। यदि आरोपी पदाधिकारी द्वारा द्वितीय अग्रिम भुगतान के पूर्व योजना स्थल का निरीक्षण किया गया होता तो संभव था वैसी योजना की जानकारी उन्हें हो जाती, जिसमें आगे काम कराने की आवश्यकता है अथवा नहीं। प्रखंड विकास पदाधिकारी के रूप में योजना का कार्यान्वयन का पूर्ण दायित्व आरोपी पदाधिकारी का था। किसी प्रकार के वित्तीय अनियमितता, राशि का अपव्यय के लिए वे पूर्ण रूप से जिम्मेदार हैं।

श्री झा के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोप पत्र, उनसे प्राप्त स्पष्टीकरण एवं जिला पदाधिकारी, गया से प्राप्त मंतव्य की समीक्षा अनुशासनिक प्राधिकार के स्तर पर की गयी। समीक्षापरांत पाया गया कि जिला पदाधिकारी द्वारा श्री झा के स्पष्टीकरण को स्वीकार योग्य नहीं पाया गया है एवं श्री झा योजना स्थल का निरीक्षण किये बिना अभिकर्ता को द्वितीय अग्रिम भुगतान करने के लिए दोषी हैं।

अतएव श्री सुनील दत्त झा, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-739/2011, तत्कालीन अंचलाधिकारी-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी, टिकारी, गया के विरुद्ध अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा आरोप पत्र अनुमोदित करते हुए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली के नियम-19 के संगत प्रावधानों के तहत प्रमाणित पाये गये आरोपों के लिए उन्हें निम्न दंड अधिरोपित एवं संसूचित किया जाता है :-

(i) एक वर्ष के लिए संचयी प्रभाव के बिना कालमान वेतनमान में निम्नतर प्रक्रम पर अवनति।

**वर्गिकरण, नियंत्रण एवं अपील नियमावली के नियम-19 के संगत प्रावधानों के तहत प्रमाणित पाये गये आरोपों के लिए उन्हें निम्न दंड अधिरोपित एवं संसूचित किया जाता है :-**

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
सरकार के अवर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 789-571+10-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>